पंजाब केसरी
NATIONAL

लखनऊ की सड़कों पर फर्राटा भरेंगी इलेक्ट्रिक बसें

लखनऊ, आशीष सुदर्शन, (पंजाब केसरी): उत्तर प्रदेश के नौ शहरों में नगरीय परिवहन निदेशालय ने इलेक्ट्रिक बसें चलाने का निर्णय लिया है। इसकी शुरूवात राजधानी लखनऊ से की जायेगी, इस योजना को मूर्त रूप देने में जुटे सचिव नगर विकास रणवीर प्रसाद की माने तो महज 6 महीनों के भीतर ही राजधानी की सड़कों पर इलेक्ट्रिक बसें दौड़ती नजर आयेंगी। प्रदुषण युक्त शहरों के स्वास्थ्य को दुरूस्त रखने के लिए नगरीय परिवहन निदेशालय यूपी के 9 शहरों इलेक्ट्रिक बसें चलायेगा, यह बसें लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, आगरा व गाजियाबाद सहित अन्य शहरों में चलायी जायेगीं, इससे ध्वनि व वायु प्रदुषण से शहरावासियों को जहां राहत मिलेगी तो वहीं किराया भी यात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुये मुफीद ही रखा जायेगा। पहले चरण में 520 बसें चलायी जायेगीं, जिसमें गोरखपुर और बनारस में दस-दस बसें व बाकी के शहरों में 100-100 बसें चलाने का निर्णय लिया गया है। खास बात यह है कि देश में मनाली में 20 व मुम्बई में 06 बसें वर्तमान में चल रही हैं। विभाग के अधिकारी राजधानी में 6 महीने के भीतर 40 इलेक्ट्रिक बसें चलवाने के लिए एढ़ी से चोटी का जोर लगाकर मेहनत कर रहे हैं। बता दें कि यूपी के शहरों में जो इलेक्ट्रिक बसें चलवायी जायेंगी वह केन्द्र सरकार की फेम इण्डिया योजना के तहत चलवायी जायेंगी। इस योजना के तहत केन्द्र सरकार सब्सिडी भी देगी। वहीं इन बसों के लिए राजधानी लखनऊ के दुबग्गा में 1500 किलोवाट का चार्जिंग सब स्टेशन भी बनाया जायेगा, इसके लिए नगरीय परिवहन विभाग ने मध्यांचल विद्युत वितरण निगम को 2 करोड़ 40 लाख का भुगतान भी कर दिया है। वहीं दुबग्गा व तेलीबाग स्थित वृंदावन योजना की पी-4 पर्किंग में 7 एकड़ जगह में नगरीय बसों के लिए पीपीपी मॉडल पर एक भव्य बस-स्टेशन भी बनाया जायेगा। विभाग के संयुक्त निदेशक अजीत सिंह की माने शासन इस योजना पर खासा ध्यान दे रहा है, वहीं इन बसों के किराये को लेकर भी रणनीति तैयार की जा रही है, जिससे शहर के यात्रियों का सफर सस्ता व सुगम बना रहे।

> विभाग के निदेशक व सचिव नगर विकास रणवीर प्रसाद ने बताया कि इलेक्ट्रिक बसें पर्यावरण की दृष्टि से ज्यादा उपयुक्त होंगी। श्री प्रसाद ने बताया कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अनुकूल होंगी, साथ ही, इससे प्रदूषण को भी रोका जा सकेगा। इसलिए सरकार ने चरणबद्ध तरीके से सिटी ट्रांसपोर्ट में इलेक्ट्रिक बसें चलाने का निर्णय लिया है।

आईएएस रणवीर प्रसाद